हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 120 देहरादून, शुक्रवार, 28 अक्टूबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

सरकार के प्रयासों से केदारनाथ यात्रा में रिकार्ड श्रद्धालु पहुंचे : महाराज 3

पीएम नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गौरीकुंड-केदारनाथ रोप वे से केदारनाथ यात्रा होगी सुगम : मुख्यमंत्री

सेना की मराठा रेजीमेंट के बैंड की भक्तिमय स्वर लहरियों के बीच तीन हज़ार से अधिक श्रद्धालु कपाट बंद होने के साक्षी बने

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

केदारनाथ धाम, 27 अक्टूबर। भैया दूज के पावन अवसर पर बृहस्पतिवार प्रातः 8 बजकर 30 मिनट पर ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग भगवान केदारनाथ के कपाट शीतकाल हेतु बंद हो गये है। इस अवसर पर ढाई हजार से अधिक श्रद्धालु कपाट बंद होने के साक्षी बने। प्रातः तीन बजे केदारनाथ मंदिर खुल गया चार बजे से कपाट बंद करने की समाधि पूजन प्रक्रिया शुरू हो गयी। पुजारी टी गंगाधर लिंग ने भगवान केदारनाथ के स्यंभू ज्योर्तिलिंग को श्रृंगार रूप से समाधि रूप दिया गया ज्योर्तिलिंग को बाघंबर, भृंगराज फूल,भस्म, स्थानीय शुष्क फूलों- पत्तों, आदि से ढ़क दिया गया। इसके साथ ही भकुंट भैरव नाथ के आव्हान के साथ ही गर्भगृह तथा मुख्य द्वार को जिला प्रशासन की मौजूदगी में बंद किया गया।

प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के अवसर पर तीर्थयात्रियों का आभार जताया। कहा कि इस बार चारधाम यात्रा रिकार्ड पैंतालीस लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में नयी केदार पुरी अस्तित्व में आ चुकी है जहां तीर्थयात्रियों को हर संभव सुविधाएं मुहैया हो रही है। गौरीकुंड-केदारनाथ रोप वे के बनने से केदारनाथ यात्रा अधिक सुगम हो जायेगी। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि प्रदेश सरकार के प्रयासों से यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हो रही है।तथा केदारनाथ धाम में भी रिकार्ड श्रद्धालु पहुंचे।

इस अवसर पर श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय, पंकज मोदी, मंदिर समिति उपाध्यक्ष किशोर पंवार, जिला प्रशासन पुलिस के अधिकारी, केदारनाथ उत्थान चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त सचिव/ मंदिर समिति मुख्य कार्याधिकारी योगेन्द्र सिंह, यात्रा मजिस्ट्रेट गोपाल राम बिनवाल, तहसीलदार दीवान सिंह राणा कार्याधिकारी आरसी तिवारी, धर्माधिकारी औंकार शुक्ला, केदारनाथ सभा अध्यक्ष विनोद शुक्ला, मंदिर समिति मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़, आदि मौजूद रहे।

इस अवसर पर सेना की 11 मराठा लाईट इफ्रंट्री रूद्रप्रयाग के बैंड की भक्तिमय धुनों तथा बाबा केदार की जय उदघोष से केदारनाथ धाम गुंजायमान रहा। मंदिर समिति अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि सामूहिक सहयोग समन्वय से यात्रा का सफलतापूर्वक समापन हुआ है। उन्होंने कहा कि 1561882 (पंद्रह लाख एकसठ हजार आठ सौ बयासी) तीर्थयात्रियों ने भगवान केदारनाथ के दर्शन किये है।कपाट बंद होने के बाद भगवान केदारनाथ जी की पंचमुखी डोली शीतकालीन गद्दी स्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ के लिए प्रस्थान हुई।

- इस यात्रा वर्ष रिकॉर्ड पंद्रह लाख एकसठ हजार से अधिक तीर्थयात्रियों ने भगवान केदारनाथ के दर्शन किये।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के अवसर पर तीर्थयात्रियों का आभार जताया
- प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा प्रदेश सरकार के प्रयासों से केदारनाथ यात्रा में रिकार्ड श्रद्धालु पहुंचे
- कपाट बंद होने के अवसर पर श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय मंदिर समिति उपाध्यक्ष किशोर पंवार सहित जिला प्रशासन, पुलिस सेना के अधिकारी मौजूद रहे।

मां यमुना के जयघोष के साथ श्री यमुनोत्री धाम के कपाट बंद हुए

कपाट बंद होने के अवसर पर सैंकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

यमुनोत्री/खरशाली (खुशीमठ)/ उत्तरकाशी : 27 अक्टूबर उत्तराखंड के चार धामों में विशिष्ट महत्व रखनेवाले श्री यमुनोत्री धाम के कपाट विधि- विधान से समारोह पूर्वक कल अपराह्न 12 बजकर 09 मिनट पर शीतकाल हेतु बंद हो गये हैं। उल्लेखनीय है कि मां यमुना मृत्यु के देवता धर्मराज की बहिन हैं मां यमुना के दर्शन मात्र से प्राणियों में मृत्यु भय समाप्त हो जाता है।

मान्यता है कि भैया दूज के दिन यम देव अपनी बहिन यमुना जी को मिलने पृथ्वी लोक तक आते हैं। कहते हैं कि मां यमुना को यम देव ने वरदान दिया था कि भैया दूज के दिन जो भाई अपनी बहिन का आदर - सत्कार करेगा उसके संताप मिट जायेंगे। वह मृत्यु भय तक से मुक्त हो जायेगा। मां यमुना के एक भाई शनि देव भी है। श्री यमुनोत्री धाम के कपाट बंद होने की प्रक्रिया में यमुना जी के भाई शनिदेव श्री सोमेश्वर देवता खरशाली से डोली में बैठकर अपनी बहिन को मायके बुलाने यमुनोत्री धाम पहुंचे।इसी के साथ मां यमुना की स्तुति के साथ ही विधि-विधान से यमुनोत्री धाम के कपाट शीतकाल हेतु बंद हो गये।प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यात्रा के सफल संचालन के लिये सभी संबंधित को बधाई दी है।कपाट बंद होने के बाद मां यमुना जी की उत्सव डोली शनिदेव सोमेश्वर देवता की डोली के साथ शीतकालीन प्रवास खरशाली(खुशीमठ) रवाना हो गयी तथा अपने शीतकालीन प्रवास में विराजमान हो गयी है।इस यात्रा वर्ष 4 लाख 86 हजार तीर्थयात्रियों ने यमुनोत्री धाम के दर्शनों का पुण्य अर्जित किया। अवसर पर श्री यमुनोत्री मंदिर समिति के पूर्व उपाध्यक्ष पवन उनियाल, सचिव सुरेश उनियाल, उपाध्यक्ष राजस्वरूप उनियाल, संदीप शास्त्री जी,प्रदीप उनियाल,प्रह्लाद उनियाल, तहसीलदार बड़कोट शिशुपाल सिंह असवाल, प्रधान यशपाल राणा पदाधिकारीगण एवं पुलिस -प्रशासन के प्रतिनिधि मौजूद रहे। 26 अक्टूबर श्री गंगोत्री धाम के कपाट शीतकाल हेतु बंद हुए । भैयादूज के अवसर पर श्री केदारनाथ धाम एवं श्री यमुनोत्री धाम के कपाट शीतकाल हेतु बंद हुए। 19 नवंबर को श्री बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल हेतु बंद हो जायेंगे।

जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला तथा पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी ने यमुनोत्री यात्रा के सफल संचालन को सभी संबंधित विभागों को धन्यवाद ज्ञापित किया है। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड पुलिस बड़कोट - उत्तरकाशी ने यमुनोत्री धाम यात्रा के दौरान दिन-रात योगदान देकर यात्रा को निविघ्न संपन्न कराया।

- इस यात्रा वर्ष कुल चार लाख छयासी हजार श्रद्धालुओं ने मां यमुना के दर्शन किये।
- प्रातः शनिदेव सोमेश्वर देवता अपनी बहिन यमुना जी को बुलाने खरशाली खुशीमठ से यमुनोत्री धाम पहुंचे ।
- माता यमुना का मायका है खरसाली (खुशीमठ)
- छः माह मां यमुना की शीतकालीन पूजा खुशीमठ में संपन्न होगी।

यहाँ मर्दों को बनना पड़ता है औरत, वजह है ख़ास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट - 27 अक्टूबर , भारत.. एक ऐसा देश जहां ना तो रीति-रिवाजों की कमी है, और ना ही परंपराओं के नाम पर अंधविश्वास की। धर्म को लेकर हमारे देश में कई तरह के प्रतिबंध भी हैं। हमारे ही देश में बहुत से ऐसे मंदिर हैं जहां पर महिलाओं के जाने पर रोक हैं। जिनमें से सबसे मशहूर सबरीमाला मंदिर के बारे में तो शायद आप जानते ही होंगे, हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने अब इस पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया है..मगर इसके बावजूद भी इस मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर अटकलें बरकरार हैं। खैर ये कोई अकेला ऐसा मंदिर नहीं है, जहां महिलाओं के प्रवेश के लिए इतना बवाल है, इसके अलावा भी हमारे देश में कई ऐसे मंदिर है जहां पर महिलाओं का जाना बिल्कुल मना है, जिनमें हरियाणा का कार्तिकेय मंदिर, महाराष्ट्र का घटई देवी, और छत्तीसगढ़ का मावली माता मंदिर जैसे और भी कई मंदिर शामिल हैं।

Kottankulangara Devi Temple- जहां पुरूष पहनते है जनाने कपड़ेंमगर आपको जानकर हैरानी होगी, कि इसी देश में एक मंदिर ऐसा भी है जहां प्रवेश लेने के लिए पुरूषों को पूरा 16 श्रृंगार करना पड़ता है। महिलाओं के कपड़े पहनकर खुदकों सजाना पड़ता हैं, और ये सब करने के बाद ही पुरूषों को इस मंदिर में प्रवेश मिलता है। आपको बता दें कि, ये मंदिर केरल के कोल्लम जिले में स्थित हैं। जहां पर हर साल श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर में चाम्याविलक्कू त्योहार मनाया जाता है।और इस त्योहार में हर साल हजारों की संख्या में पुरूष श्रद्धालू आते हैं। ये त्योहार इतना खास इसलिए हैं क्योंकि, यहां पर आने वाले पुरूषों को पूरी तरह से महिलाओं के वेश में तैयार किया जाता है। उनके लिए मंदिर में अलग से मेकरूम भी बनाया जाता है। यहां आए श्रद्धालू पुरूष ना सिर्फ औरतों की तरह साडी पहनते हैं बल्कि बालों में गजरा, मेकअप, और गहनों के साथ खुदकों पूरी तरह महिलाओं की ही तरह तैयार करते हैं। इस त्योहार में शामिल होने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है।

Kottankulangara Devi Temple का पूरा इतिहासदरअसल, इसके इतिहास को लेकर एक नहीं बल्कि कई अलग-अलग मान्यताएं हैं। जिनमें से एक मान्यता ये है कि, कुछ चरवाहों ने महिलाओं के कपड़े पहनकर पत्थर पर फूल चढ़ाए थे। जिसके बाद उस पत्थर से कोई दिव्य शक्ति प्रकट हुई और इसी के बाद यहां पर मंदिर बनवा दिया गया। तो वहीं कई लोगों को कहना है कि, कुछ लोग पत्थर पर नारियल फोड़ रहे थे और इसी दौरान पत्थर से खून निकलने लगा जिसके बाद से यहां देवी की पूजा होने लगी, और इस मंदिर की स्थापना कर दी गई।

मगर खास बात तो ये है कि, पूरी दुनिया में अपनी इस खास परंपरा के लिए मशहूर मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं हैं। और तो और ये केरल का इकलौता ऐसा मंदिर है, जो बना गर्भगृह या कलश के बना हुआ है।खैर ये तो रही केरल के श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर की बात, मगर हमारे देश में कई ऐसे अनोखे मंदिर है जो अपनी अलग और कुछ अनूठी मान्यताओं के लिए जाने जाते हैं। भारत का हर कोना अपने आप में ही कुछ खास मान्यताओं के साथ रहता है। अगर जानना चाहेंगे तो आपको यहां की हर एक जगह में, हर एक रीति-रिवाज में हर एक इंसान में कुछ ना कुछ अलग और अनूठा जरूर देखने को मिलेगा।

कपड़े से होगा मोबाइल चार्ज - ये है 'ई-टेक्सटाइल'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट - 27 अक्टूबर , दुनिया तेजी से बदल रही है। सोलर एनर्जी का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने के तरीके खोजे जा रहे हैं। अब इस तरह के इनोवेशन में कपड़े भी शामिल हो गए हैं। वैज्ञानिकों ने इस तरह का फैब्रिक बनाने में सफलता पाई है जिसकी मदद से छोटे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस चार्ज हो जाते हैं। इस खास तरह के फैब्रिक को ई-टेक्सटाइल नाम दिया गया है।

कुछ इलेक्ट्रॉनिक गैजेट (E-Gadgets) हमारे जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। इनमें मोबाइल फोन शामिल हैं। हालांकि, इसे चार्ज करना लोगों को बड़ा उबाऊ लगता है। यूजर्स कुछ ऐसा सॉल्यूशन चाहते हैं कि ये खुद-ब-खुद चार्ज हो जाएं। न इसके लिए चार्जर की जरूरत पड़े और न सॉकेट-प्लग की। वैज्ञानिकों ने अब इसका रास्ता निकाल लिया है। उन्होंने ऐसा कपड़ा (Textile) ईजाद किया है जो चार्जर का काम करता है। इसके जरिये आसानी से मोबाइल फोन और स्मार्टवॉच जैसे छोटे उपकरणों को चार्ज किया जा सकता है। इस तरह के कपड़ों को नाम दिया गया है, ई-टेक्सटाइल (E-Textile)। इलेक्ट्रॉनिक या ई-टेक्सटाइल अपने अंदर इतनी सोलर पावर जुटा लेता है जिनके जरिये मोबाइल फोन या दूसरे छोटे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को आसानी से चार्ज किया जा सके। यानी आगे चलकर कपड़े सिर्फ फैशन और तन ढकने की चीज नहीं रह जाएंगे। इनका इस्तेमाल कुछ और ज्यादा बढ़ जाएगा।

यह कारनामा किया है नॉटिंगघम ट्रेंट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने। उन्होंने खास तरह का फैब्रिक बनाया है। यह अपने अंदर सौर ऊर्जा यानी सोलर पावर को जुटा सकता है। यह इतनी सौर ऊर्जा होती है जिसकी मदद से आसानी से मोबाइल फोन या स्मार्टवॉच को चार्ज किया जा सकता है।यूनिवर्सिटी के एडवांस्ड टेक्सटाइल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट ग्रुप (ARTG) ने यह कपड़ा विकसित किया है। इसे अभी प्रोटोटाइप माना जा रहा है। आगे चलकर इसका कमर्शियल स्केल पर प्रोडक्शन शुरू किया जा सकता है। इस बनाने में बहुत छोटे 1,200 फोटोवोल्टेइक सेल (सोलर पैनल) का इस्तेमाल होता है। ये सूरज की रोशनी से 400 मिलीवॉट इलेक्ट्रकि एनर्जी बना लेते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तरह के फैब्रिक को रोजमर्रा के कपड़ों में शामिल किया जाएगा। ऐसे कपड़ों में जैकेट्स या बैकपैक शामिल हैं।

सरकार के प्रयासों से केदारनाथ यात्रा में रिकार्ड श्रद्धालु पहुंचे : महाराज

भगवान केदारनाथ के कपाट शीतकाल के लिए हुए बंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 27 अक्टूबर। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने श्री केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने पर यात्रा के सफल पूर्वक संपन्न होने पर श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति, पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, व्यवस्था में लगे सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित स्थानीय लोगों के सहयोग के लिए सभी को धन्यवाद देते हुए बडी संख्या में यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं का भी आभार जताया है।

भैया दूज के पावन अवसर पर बृहस्पतिवार प्रातः 8 बजकर 30 मिनट पर ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग भगवान केदारनाथ के कपाट शीतकाल हेतु बंद हो गये हैं। इस अवसर पर तीन हजार से अधिक श्रद्धालु कपाट बंद होने के साक्षी बने। प्रदेश के पर्यटन सतपाल महाराज ने श्री केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने पर यात्रा के सफलता पूर्वक संपन्न होने पर श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति, पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, व्यवस्था में लगे सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित स्थानीय लोगों के सहयोग के लिए उनका आभार जताया। पर्यटन मंत्री महाराज ने चार धाम यात्रा पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस बार चारधाम यात्रा पर रिकार्ड पैंतालीस लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में नयी केदार पुरी अस्तित्व में आ चुकी है जहां तीर्थयात्रियों को हर संभव सुविधाएं मुहैया हो रही हैं। गौरीकुंड- केदारनाथ रोप वे के बनने से केदारनाथ यात्रा अधिक सुगम हो जायेगी। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि प्रदेश सरकार के प्रयासों से यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हो रही है। केदारनाथ धाम में रिकार्ड श्रद्धालु पहुंचे हैं।

इस बार 1561882 (पंद्रह लाख एकसठ हजार आठ सौ बयासी) तीर्थयात्रियों ने भगवान केदारनाथ के दर्शन किये हैं।उन्होने बताया कि कपाट बंद होने के बाद भगवान केदारनाथ जी की पंचमुखी डोली शीतकालीन गद्दी स्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ के लिए प्रस्थान कर चुकी है। पंचमुखी डोली आज प्रथम पड़ाव रामपुर पहुंचेगी।

28 अक्टूबर को देवडोली श्री विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी प्रवास करेगी तथा 29 अक्टूबर को श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ पहुंचेगी। इसी के साथ इस वर्ष श्री केदारनाथ यात्रा का समापन हो जायेगा और पंचकेदार गद्दी स्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ में भगवान केदारनाथ जी की शीतकालीन पूजाएं शुरू हो जायेगी। महाराज ने बताया कि 19 नवंबर को श्री बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल हेतु बंद हो जायेंगे जबकि श्री हेमकुंट साहिब-लक्ष्मण मंदिर के कपाट 10 अक्टूबर को बंद हो चुके हैं। द्वितीय केदार तुंगनाथ जी के कपाट 7 नवंबर तथा द्वितीय केदार श्री मद्महेश्वर जी के कपाट 18 नवंबर को बंद हो जायेंगे।

डीएम सोनिका के आदेश पर हुआ मसूरी के प्रमुख सड़क मार्गों का निरीक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 27 अक्टूबर। जिलाधिकारी देहरादून के निर्देशानुसार मसूरी के प्रमुख सड़क मार्गों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विनोद रतूड़ी सहायक अभियंता जल निगम देहरादून , राजेंद्र पाल सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग देहरादून, शर्मा अपर सहायक अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग खंड डोईवाला , भोपाल सिंह चौहान नायब तहसीलदार मसूरी आदि उपस्थित हुए।

निरीक्षण के दौरान मसूरी देहरादून मुख्य मार्ग, किताब घर जीरो प्वाइंट केंपटी मार्ग, जीरो प्वाइंट से हाथी पाव तथा दूधली मार्ग , हाथी पांव से जॉर्ज एवरेस्ट मार्ग एवं हाथीपांव से भट्टा गांव मार्ग का निरीक्षण किया गया।इस दौरान सड़क के किनारे मलवा डंपर होना, नालियां साफ ना होना, बरसाती झाड़ियां एवं घास को न काटा जाना, सड़क के किनारे के पैराफिट तथा रेलिंग आदि की मरम्मत एवं रंग रोगन ना होना , सड़क की

सफेद पट्टी की मरम्मत ना होना आदि कमियां पाई गई। इस संबंध में संबंधित विभाग के अधिकारियों को तत्काल निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया है । इस निरिक्षण की रिपोर्ट जिलाधिकारी देहरादून सोनिका को भी रिपोर्ट भेजी गयी है।

जल्द होगा उत्तराखंड में प्राकृतिक कृषि बोर्ड का गठन : कृषि मंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 27 अक्टूबर। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कृषि विभाग के अधिकारियों संग प्राकृतिक खेती पर आयोजित होने वाले सेमिनार की समीक्षा की। विदित हो कि यह सेमिनार आगामी 3 नवम्बर को देहरादून में आयोजित होगा और गुजरात के राज्यपाल इस विषय पर किसानों से चर्चा करेंगे।

कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सेमिनार की सभी तैयारिया समयबद्ध रूप से पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किसानो की आय को दोगुनी करने में प्राकृतिक खेती का अहम योगदान हो, इस लक्ष्य को लेकर उत्तराखंड कृषि विभाग कार्य कर रहा है।

मंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा प्राकृतिक खेती बोर्ड की घोषणा भी की जायेगी।

मंत्री ने बताया कि गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत इस सेमिनार के मुख्य अतिथि होंगे। सेमिनार में उत्तराखंड के राज्यपाल ले० जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह एवम् मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी सम्मलित होंगे। कृषि सचिव ने बताया कि यह कार्यक्रम दो सत्रों में होगा, जिसके पहले सत्र में अधिकारियो व विशेषज्ञो द्वारा किसानों को सम्बोधित किया जाएगा और दूसरे सत्र में अतिथिगणों का संबोधन होगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलो के किसान प्रतिभाग करेंगे। सेमिनार के दौरान विभिन्न विभाग के स्टाल भी लगाये जाएँगे।

इस अवसर पर बैठक में कृषि सचिव डा0 बीबीआरसी पुरुषोतम, निदेशक गौरीशंकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम के मार्गदर्शन में चारधाम यात्रा से हुई नए उत्तराखण्ड के नए युग की शुरुआत : मुख्यमंत्री

केदारनाथ और यमनोत्री में घोड़ा-खच्चर, हेली और डंडी-कंडी से 211 करोड़ का कारोबार

- केदारनाथ में घोड़ा-खच्चर से हुआ 101.34 करोड़ का कारोबार
- यमुनोत्री धाम में घोड़े खच्चरों से हुआ 21 करोड़ का कारोबार
- यात्राकाल में GMVN की भी ₹50 करोड़ के क़रीब आय का अनुमान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 27 अक्टूबर। उत्तराखंड में चार धाम यात्रा अपने आख़िरी पड़ाव पर है। बाबा केदार के कपाट गुरुवार 27 अक्टूबर को विधि विधान से शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए, इसके अलावा यमनोत्री के कपाट भी विधिविधान से बंद कर दिए गए। इधर सरकार के प्रयासों से कोरोना काल के बाद चार धाम यात्रा की रौनक़ पुनः पटरी पर लौटती हुई नज़र आई। चारधाम यात्रा ने इस वर्ष तमाम रिकॉर्ड तोड़ कर नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इस बार केदारनाथ और यमुनोत्री यात्रा में सिर्फ़ घोड़ा खच्चरों, हेली टिकट और डंडी कंडी के यात्रा भाड़े से लगभग 211 करोड़ के आस- पास कारोबार हुआ है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा के सफल संचालन को लेकर ख़ुशी जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी के कथनानुसार आने वाला दशक उत्तराखण्ड है उसकी शुरूआत आज से ही हो चुकी है। इस बार की चार धाम यात्रा बहुत उत्साह वर्धक रही है।प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है।प्रधानमंत्री जी द्वारा धार्मिक स्थलों पर आने वाले तीर्थ यात्रियों को स्थानीय उत्पादों को ख़रीद पर पाँच प्रतिशत खर्च करने के लिए अपील की गई है।आने वाले समय में हम स्थानीय उत्पादों के बिक्री की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। मानस खंड कारीडोर के मास्टर प्लान का काम भी शीघ्र प्रारम्भ किया जाएगा।हमारी सरकार का उद्देश्य समस्त पौराणिक मंदिरों को संवारने का है और उसको पर्यटन से जोड़ना है।

उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों व कुशल यात्रा प्रबंधन की बदौलत 46 लाख यात्रियों ने इस वर्ष चार धाम यात्रा की। पिछले दो दशक में यह सबसे अधिक आँकड़ा है वहीं श्री केदारनाथ धाम की अकेले बात की जाए तो यहाँ 15 लाख 36 हजार * तीर्थ यात्रियों ने बाबा केदार के दर्शन किए। आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को भी यात्रा साकार करती है। चारधाम यात्रा प्रदेश की आर्थिकी की लाईफ लाईन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देश की सांस्कृतिक विरासत को पुनर्स्थापित किया है। प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप केदारनाथ व बदरीनाथ धाम का पुनर्विकास किया जा रहा है।

केदारनाथ में हुआ ₹190 करोड़ से अधिक का कारोबार

इस वर्ष केदारनाथ यात्रा स्थानीय व्यवसाइयों के लिहाज़ से भी काफ़ी बेहतर रही। सिर्फ़ यात्रा के टिकट, घोड़ा खच्चरों और हेली और डंडी कंडी के यात्रा भाड़े की बात करें तो लगभग 190 करोड़ के आस-पास यह कारोबार हुआ है। केदारनाथ धाम इस बार घोड़े खच्चर व्यवसाइयों ने क़रीब 1 अरब 9 करोड़ 28 लाख रुपए का रिकॉर्ड कारोबार किया। जिससे सरकार को भी 8 करोड रुपए से ज्यादा का राजस्व प्राप्त हुआ। यात्रा सुगम बनाने को लेकर प्रशासन ने 4302 घोड़ा मालिकों के 8664 घोड़े खच्चर पंजीकृत किए थे इस सीजन में 5.34 लाख तीर्थयात्रियों ने घोड़े खच्चरों की सवारी कर केदारनाथ धाम तक यात्रा की। वही डंडी-कंडी वालों ने 86 लाख रुपए की कमाई की और हेली कंपनियों ने 75 करोड़ 40 लाख रुपए का कारोबार किया। इधर सीतापुर और सोनप्रयाग पार्किंग से लगभग 75 लाख का राजस्व सरकार को प्राप्त हुआ।

यमुनोत्री में घोड़े खच्चरों वालों का हुआ 21 करोड़ का कारोबार

इधर यमुनोत्री में घोड़े खच्चरों वालों का लगभग 21 करोड़ का कारोबार इस साल हुआ है। यमनोत्री धाम में लगभग 2900 घोड़े खच्चर पंजीकृत हैं , ज़िला पंचायत के अनुसार इस साल यात्रा काल में 21 करोड़ 75 लाख का कारोबार हुआ है। यह आँकड़ा भी रिकॉर्ड तोड़ है।

GMVN की अनुमानित आय भी ₹50 करोड़ के क़रीब

इसके अलावा चारधाम यात्रा में यात्रा मार्ग के सभी होटल / होमस्टे, लाज और धर्मशालाएं भी पिछले छः माह तक बुक रही। पिछले सालों तक GMVN जहां आर्थिक नुक़सान झेल रहा था इस साल अगस्त तक 40 करोड़ की आय कर चुका है। GMVN के प्रबंध निदेशक बंशीधर तिवारी ने बताया कि यह आँकड़ा 50 करोड़ के क़रीब जाने का अनुमान है। इसके अलावा चारधाम यात्रा से जुड़े टैक्सी व्यवसायों ने भी पिछले सालों की औसत आय से तीन गुना अधिक का कारोबार किया है।

प्रधानमंत्री ने यात्रा खर्चे का 5% स्थानीय उत्पादों पर खर्च करने का आह्वान किया

प्रधानमंत्री ने बीते 21 अक्टूबर को बदरीनाथ धाम स्थित माणा गाँव में वोकल फॉर लोकल का जिक्र करते हुए देशवासियों से आग्रह किया कि जहां भी जाएं एक संकल्प करें कि यात्रा पर जितना भी खर्च करते हैं उसका कम से कम 5 प्रतिशत वहां के स्थानीय उत्पाद खरीदने पर खर्च करें। इन सारे क्षेत्रों में इतनी रोजी रोटी मिल जायेगी, आप कल्पना भी नही कर सकते। ऐसे में अब भविष्य को देखते हुए चारधाम यात्रा में स्थानीय उत्पादों को भी बड़ा मार्केट मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 रावत ने किया जे0जे0 अस्पताल मुम्बई का दौरा

अस्पताल की चिकित्सा प्रणाली को राज्य में लागू करने का होगा प्रयास

शीघ्र विशेषज्ञ चिकित्सकों का दल जायेगा मुम्बई, करेगा अस्पताल का अध्ययन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 27 अक्टूबर। मुम्बई महाराष्ट्र के दो दिवसीय राजकीय भ्रमण के दौरान सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने चिकित्सा के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त ग्रांट गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज एंड सर जे0जे0 ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स मुम्बई का भ्रमण किया। इस दौरान डॉ0 रावत ने मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों, विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टॉफ के साथ उनकी कार्य प्रणाली एवं चिकित्सकीय सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 रावत ने कहा कि देश के नाम अस्पतालों में से एक जे0जे0 अस्पताल की कार्यप्रणाली एवं चि कि त्स की य सुविधाओं को उत्तराखंड के मेडिकल कॉलेजों एवं जिला अस्पतालों में लागू करने का प्रयास किया जायेगा, इसके लिये शीघ्र ही स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों के एक दल को अध्ययन के लिये जे0जे0 अस्पताल मुम्बई भेजा जायेगा।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने अपने मुम्बई प्रवास के दूसरे दिन देश के ख्याति प्राप्त अस्पतालों में से एक ग्रांट गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज एंड सर जे0जे0 ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स मुम्बई का भ्रमण किया। जहां पर उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध विभिन्न चिकित्सा सुविधाओं का अवलोकन करने के साथ ही अस्पताल प्रबंधन, विशेषज्ञ चिकित्सको एवं पैरा मेडिकल स्टॉफ से भी विस्तारपूर्वक चर्चा कर विभिन्न चिकित्सकीय जानकारियां ली। भ्रमण के दौरान उन्होंने मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से मुलाकात कर उनकी पढाई एवं सुविधाओं को लेकर चर्चा की।

करीब दो घंटे से अधिक समय तक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भ्रमण के दौरान डॉ0 रावत ने वहां अपना इलाज करा रहे विभिन्न राज्यों से आये रोगियों एवं उनके तीमारदारों से भी बातचीत की। अपने अस्पताल भ्रमण को लेकर मीडिया को जारी एक बयान में स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने कहा कि ग्रांट गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज एंड सर जे0जे0 ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स मुम्बई पिछले 175 वर्षों से चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहा है। जहां पर आधुनिकतम चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां पर अपना उपचार करा रहे विभिन्न राज्यों से आये मरीज भी यहां की चिकित्सकीय सेवाओं से संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में भी ग्रांट गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज एंड सर जे0जे0 ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स मुम्बई की तर्ज पर चिकित्सकीय सुविधाओं का विस्तार किया जायेगा। जिसके लिये शीघ्र ही विभाग के उच्चाधिकारियों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों के एक दल को अध्ययन हेतु जे0जे0 अस्पताल मुम्बई भेजा जायेगा जो यहां की विभिन्न चिकित्सकीय सुविधाओं एवं प्रबंधकीय कार्यप्रणाली का विस्तृत अध्ययन कर एक रिपोर्ट तैयार करेगा जिसका क्रियान्वयन भविष्य में राज्य के मेडिकल कॉलेजों एवं जिला अस्पतालों में किया जायेगा।

महिलाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

गृह मंत्रियों के चिंतन शिविर में बोले सीएम पुष्कर सिंह धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 27 अक्टूबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरियाणा के सूरजकुंड में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित राज्यों के गृह मंत्रियों के चिंतन शिविर में हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य कठिन एवं दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों से युक्त राज्य है, जिसकी अन्तर्राष्ट्रीय सीमाएँ उत्तर में तिब्बत चीन एवं पूर्व में नेपाल के साथ जुड़ी हुई हैं। इस प्रकार राष्ट्रीय सुरक्षा में राज्य का सामरिक दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य द्वारा कानून व्यवस्था के सुचारू रूप से संचालन हेतु संविधान के अनुच्छेद 44 जो कि समान नागरिक संहिता लागू किये जाने से सम्बन्धित है, की भावना का सम्मान करते हुये राज्य में समान नागरिक संहिता लागू किये जाने हेतु गठित विशेषज्ञ समिति वर्तमान में एक विस्तृत रिपोर्ट बनाने का कार्य कर रही है। विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट आने के उपरान्त राज्य में समान नागरिक संहिता लागू होने से राज्य में सभी धर्मों व सम्प्रदायों के निवासी लाभान्वित होंगे। तथा सभी धर्मों को मानने वाली महिलाओं की स्थिति में गुणात्मक सुधार होगा ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य के समक्ष सीमावर्ती क्षेत्रों से राज्य के नागरिकों द्वारा किया जाने वाला पलायन अत्यन्त चुनौतीपूर्ण रहा है, जिसे रोकने हेतु विगत 5 व 6 वर्षों में प्रभावित क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पिथौरागढ़, उत्तरकाशी एवं चमोली में 13 सड़कों का लगभग 600 कि०मी० निर्माण कार्य गतिमान है, जिसमें से 04 सड़कों का लगभग 150 कि०मी० निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जनपद पिथौरागढ़ में नेपाल सीमा से लगे छारछुम नामक स्थान पर मैंने हाल ही में एक पुल का शिलान्यास किया, जिसके पूर्ण होने पर सामारिक रूप से महत्वपूर्ण इस सीमान्त क्षेत्र के नागरिकों का आवागमन सहज एवं सुगम हो सकेगा। हाल ही में बद्रीनाथ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में गांवों की महत्ता को रेखांकित करते हुये सीमान्त गांव माणा को देश के अंतिम गांव की जगह प्रथम गांव की संज्ञा दी है। जिसके लिये प्रधानमंत्री जी ने भी अपनी संस्तुति दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमान्त गांव देश के प्रथम प्रहरी है और इनका समुचित विकास करना हमारा कर्तव्य है। राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा बनाये रखने हेतु राज्य सरकार द्वारा इन क्षेत्रों से हो रहे स्थानीय निवासियों के पलायन को रोकने और उन्हें यहीं पर चिकित्सा स्वास्थ्य, पेयजल, शिक्षा एवं रोजगार इत्यादि की सुविधा प्रदान किये जाने के प्रयास शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर किये जा रहें है।

प्रधानमंत्री जी द्वारा जगायी गयी अलख के क्रम में राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों के स्थानीय युवाओं को एन०सी०सी० से जोड़े जाने का अभियान गतिमान है। इसी प्रकार सीमाओं की सुरक्षा के दृष्टिगत राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों के 10 हजार सेवानिवृत्त सैनिकों, अर्द्धसैनिकों एवं युवाओं को सीमा सुरक्षा के सम्बन्ध में प्रशिक्षित कर उन्हें राज्य के सीमान्त जिलों में तैनात किये जाने हेतु हम रहिम प्रहरीश योजना पर काम कर रहे है, जिसमें 05 करोड़ रूपये प्रतिमाह का सहयोग केन्द्र सरकार से अपेक्षित है।

उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा की दृष्टि से राज्य सरकार द्वारा राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटन सम्बन्धी गतिविधियों में वृद्धि हेतु इनर लाईन प्रतिबन्धों पर छूट प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में हमने केन्द्र सरकार से अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमा सुरक्षा के साथ-साथ राज्य सरकार द्वारा राज्य की आन्तरिक सुरक्षा से सम्बन्धित चुनौतियों का भी दृढ़ता से सामना कर उन पर प्रभावी नियन्त्रण स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। देश के कई महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील केन्द्रीय प्रतिष्ठान तथा कार्यालय राज्य में स्थित है, जिनकी सुरक्षा का प्राथमिक दायित्व राज्य सरकार पर है। इसी प्रकार राज्य में आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों तथा चारधाम यात्रा एवं कांवड यात्रा में आने वाले करोड़ो तीर्थ यात्रियों की सुरक्षित यात्रा का दायित्व भी राज्य सरकार पर ही है, जिसका निर्वहन हम पूरी क्षमता के साथ कर रहे हैं। जिसके फलस्वरूप इस वर्ष हम 4 करोड़ शिवभक्तों को कांवड़ यात्रा व अभी तक करीब 45 लाख श्रद्धालुओं को सफलतापूर्वक चारधार यात्रा कराने में सफल हुये हैं। इन कार्यों हेतु आवश्यक सहयोग की भी हमें केन्द्र सरकार से निरन्तर आवश्यकता रहेगी।

उन्होंने कहा कि आन्तरिक सुरक्षा के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा विभिन्न संगठनों की अवैध गतिविधियों, पर कड़ी नजर रखते हुये उनके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी प्रकार राज्य सरकार द्वारा राज्य में धार्मिक उन्माद एवं कट्टरपन्थी गतिविधियों को हतोत्साहित करने के क्रम में राज्य में अतिवामपन्थी एवं माओवादी गतिविधियों को भी प्रभावी ढंग से नियन्त्रित किया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य कठिन एवं दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों से युक्त पर्वतीय राज्य है, जिसमें अतिवृष्टि, बाढ़, भू-स्खलन एवं वाहन दुर्घटनाओं का निरन्तर सामना करना पड़ता है। वर्ष 2013 में श्री केदारनाथ आपदा के उपरान्त राज्य में एस०डी०आर०एफ० का गठन किया गया, जिसके द्वारा राज्य में आपदा से पीडित व्यक्तियों के साथ-साथ वन विभाग के साथ समन्वय एवं सहयोग स्थापित करते हुये वनाग्नि से मानव, पशु एवं वन सम्पदा की रक्षा हेतु प्रभावी भूमिका निभाई जा रही है। बेहतर आपदा प्रबन्धन के दृष्टिगत राज्य में आपदा प्रबन्धन शोध संस्थान की नितान्त आवश्यकता है, जिससे न केवल उत्तराखण्ड राज्य अपितु आपदा से पीड़ित अन्य राज्य भी लाभान्वित होंगे। राज्य में आपदा एवं वनाग्नि की घटनाओं के दौरान परिस्थिति पर नियन्त्रण स्थापित किये जाने हेतु हवाई सेवायें केन्द्र सरकार द्वारा प्रदान की जाती है, ऐसे में यदि आपदा में त्वरित कार्यवाही हेतु एक हेलीकॉप्टर केन्द्र सरकार द्वारा एस०डी०आर०एफ० को उपलब्ध करा दिया जाता है तो यह आपदा के नियन्त्रण में अति सहायक सिद्ध होगा।

उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य में अपराध अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम है, जिसकी पुष्टि एन०सी०आर०बी० के आंकड़ों ने भी की है। हम भविष्य में भी इस विशिष्ट उपलब्धि को कायम रखने हेतु प्रयासरत रहेंगे।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राज्य में सरलीकरण, समाधान, निस्तारिकरण एवं संतुष्टि के मंत्र को अपनाकर Smart Policing के माध्यम से कानून व्यवस्था के प्रभावी नियंत्रण का प्रयास कर रही है। इसी क्रम में E-FIR की व्यवस्था प्रारम्भ की जा चुकी है। ▪ इसी प्रकार जनसामान्य के सेवार्थ राज्य की पुलिस द्वारा लांच किये गये विभिन्न Apps को रउत्तराखण्ड पुलिस एप के रूप में एकीकृत किया गया है ।हमने भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए एक विजिलेंस हेल्पलाइन नंबर जारी किया है, जो हमारे भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को पुष्ट करता है। एक पहाड़ी राज्य होने के कारण उत्तराखण्ड में बहुत से गांवों में आज भी राजस्व पुलिस ही नियमित पुलिस के कार्यों को देखती रही है। हाल ही में राज्य के कतिपय राजस्व पुलिस क्षेत्रों में आपराधिक गतिविधियों में वृद्धि का संज्ञान लेते हुये राजस्व पुलिस का क्षेत्राधिकार चरणबद्ध रूप से नियमित पुलिस को दिये जाने के संबंध में हमारी सरकार द्वारा निर्णय लिया जा चुका है, जिससे राज्य में अपराधों पर ओर अधिक प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राज्य में बालिकाओं एवं महिलाओं की सुरक्षा के प्रति अत्यन्त संवेदनशील है और इसे अपनी शीर्ष प्राथमिकता पर रखते हुये अपराधियों के विरूद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही कर रही है। इसी क्रम में कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से एप बनाया जाना प्रस्तावित है, जिसमें पंजीकरण के उपरान्त महिलाओं को प्रभावी सुरक्षा दी जा सकेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य को वर्ष 2025 तक नशामुक्त राज्य बनाये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस हेतु राज्य, जनपद एवं थाना स्तर पर ए०एन०टी०एफ० का गठन किया गया है, जिसके द्वारा मादक पदार्थों के नियन्त्रण हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। कानून व्यवस्था के नियन्त्रण हेतु राज्य के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का सामना किये जाने के लिये पुलिस बल का आधुनिकीकरण किया जाना नितान्त आवश्यक है, इस हेतु राज्य के पुलिस बल को अत्याधुनिक हथियारों के एवं उपकरणों से सुसज्जित किया जाना है। वर्तमान में उत्तराखण्ड पुलिस में 18 प्रतिशत आवासीय भवन उपलब्ध है और इसी क्रम में नये थानों, पुलिस चौकियों एवं पुलिस कार्मिकों हेतु आवासीय भवनों का निर्माण कार्य किया जाना अपरिहार्य है क्योंकि इस कार्य को सम्पादित किये जाने हेतु राज्य सरकार को विशेष अनुदान के रूप में एकमुश्त 750 करोड़ रूपये की अविलम्ब आवश्यकता है और हमें आशा है कि इस सम्बन्ध में केन्द्र सरकार द्वारा हमारी सहायता अवश्य की जायेगी ।

एचएमटी की 45.33 एकड़ जमीन उत्तराखण्ड सरकार को मिली

भारी उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आदेश जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- सीएम पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय का आभार व्यक्त किया
- डबल इंजन सरकार की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि : सीएम

देहरादून, 27 अक्टूबर। भारत सरकार द्वारा एचएमटी की 45.33 एकड़ जमीन उत्तराखण्ड सरकार को हस्तांतरित कर दी गई है। इस संबंध में भारी उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आदेश भी जारी कर दिया गया है। इसके अनुसार रानीबाग और हल्द्वानी स्थित एचएमटी की 45.33 एकड़ भूमि उत्तराखण्ड सरकार को 72 करोड़ 02 लाख 10 हजार रूपये की रिजर्व प्राईस पर हस्तांतरित की गई है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने एचएमटी की भूमि उत्तराखण्ड सरकार को हस्तांतरित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह डबल इंजन सरकार की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उत्तराखंड की बहुप्रतीक्षित माँग को पूरा किया गया है।यह मामला काफ़ी लम्बे समय से लम्बित था।अब प्रदेश सरकार को भूमि हस्तांतरित हो गई है।

इसका उपयोग प्रदेश के हित में और प्रदेश के विकास हेतु किया जाएगा।गौरतलब है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इसके लिये अनुरोध किया था। साथ ही अगस्त माह में केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय के साथ बैठक में भी इस बात को उठाते हुए एचएमटी की उक्त भूमि उत्तराखण्ड सरकार को हस्तांतरित किये जाने का अनुरोध किया था।

घंटों मशक्कत के बाद पकड़ी गई मादा गुलदार देखने वालों की लगी भीड़, छतों पर चढ़े लोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 27 अक्टूबर। देहरादून के बालावाला और आसपास के क्षेत्रों में करीब एक महीने से दहशत फैलाने वाली मादा गुलदार को आखिरकार बृहस्पतिवार को वन विभाग की टीम ने पकड़ लिया। मादा गुलदार काफी समय तक वन विभाग की रेस्क्यू टीम को छकाती रही। करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने एक व्यक्ति के स्टोर रूम से गुलदार को ट्रैंकुलाइज (बेहोश) कर पकड़ लिया। फिलहाल गुलदार को रायपुर वन रेंज में पशु चिकित्सकों की देखरेख में रखा गया है।

बालावाला, शमशेरगढ़, नकरौंदा, नथुआवाला, तुनवाला, मियांवाला और आसपास के क्षेत्रों में गुलदार की दस्तक से लोग दहशत में थे। गुलदार दिन के उजाले में ही कई बार आबादी क्षेत्र में लोगों को नजर आता था। इससे लोगों में दहशत का माहौल था। क्षेत्रवासियों ने वन विभाग से गुलदार को पकड़ने की मांग की थी। डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला से भी गुहार लगाई गई थी। वन विभाग ने गुलदार को पकड़ने के लिए एसडीओ उदयनंद गौड़ और रेंज अधिकारी राकेश नेगी के नेतृत्व में टीम गठित की थी। पिछले लगभग 10 दिन से टीम गुलदार को पकड़ने के लिए लोकेशन ट्रेस कर रही थी। लोगों की सूचना पर जब तक वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचती गुलदार वहां से दूसरी जगह चली जाती थी।

बृहस्पतिवार को सुबह करीब नौ बजे लोगों ने वन विभाग को सूचना दी कि गुलदार शमशेरगढ़ सैनिक कालोनी के समीप तोर और चरी के खेत में मौजूद है। इस पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान दून चिड़ियाघर से पशु चिकित्सक डॉ. प्रदीप मिश्रा को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने गुलदार को चारों तरफ से जाल लगाकर घेरने की कोशिश की। इस बीच गुलदार इधर-उधर दौड़ लगाने लगी। वन विभाग की टीम और लोगों की भीड़ देखकर गुलदार शमशेरगढ़ में क्षितिज उपाध्याय के स्टोर रूम में घुस गई। दोपहर लगभग दो बजे टीम ने जाल लगाकर गुलदार को घेरा और डॉ. पवन मिश्रा ने उसे गन से ट्रैंकुलाइज (बेहोश) किया। वहां से गुलदार को पिंजड़े में बंद कर रायपुर रेंज में ले जाया गया। फिलहाल गुलदार को पशु चिकित्सकों की देखरेख में वहीं पर रखा गया है।

वन रेंज अधिकारी राकेश नेगी ने बताया कि पकड़ी गई मादा गुलदार करीब एक से डेढ़ वर्ष की है। वह जंगल से भटककर आबादी क्षेत्र में आ गई होगी। इस दौरान वह खरगोश और मुर्गों को अपना निवाला बना रही थी। मादा गुलदार जब आबादी क्षेत्र में भाग रही थी, तो उससे बचने के लिए लोग भी इधर-उधर दौड़ते नजर आए। कई लोग छतों के ऊपर चढ़कर गुलदार की लोकेशन के बारे में शोर मचाते हुए वन विभाग की टीम को जानकारी दे रहे थे।

पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य धनवीर सिंह राणा, बालावाला के पार्षद नरेंद्र बिष्ट, रितेश, नवीन व आशीष खत्री आदि ने बताया कि पिछले कई समय से क्षेत्र में गुलदार की दहशत फैली हुई थी। दिन में भी गुलदार आबादी क्षेत्र में दिख रहा था। वहीं, गुलदार की दहशत से शाम ढलते ही लोग घरों में घुस जाते थे। गुलदार को पकड़ने वाली टीम में वन विभाग के एसडीओ उदयनंद गौड़, रायपुर वन रेंज अधिकारी राकेश नेगी, फारेस्टर सरदार सिंह, पूरण रावत, मोहब्बत सिंह चौहान, मदन, अंकित, आशीष, रमेश, सोबन नेगी, जीतेंद्र बिष्ट, सुदर्शन पंवार, कृष्णा, डॉ. प्रदीप मिश्रा शामिल रहे।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह आज वर्चुअल करेंगे 75 परियोजनाओं का उद्घाटन, तीन पुल भी हैं शामिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 27 अक्टूबर। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह 28 अक्तूबर को सुबह 9:45 बजे वर्चुअल माध्यम से सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की ओर से निर्मित 75 परियोजनाओं का उद्घाटन कर जनता को समर्पित करेंगे। इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में बीआरओ 66 आरसीसी के अधीन सिमली ग्वालदम रोड पर निर्मित तीन पुल भी शामिल हैं।

बीआरओ 66 आरसीसी गौचर के कमान अधिकारी मेजर शिवम अवस्थी ने बताया कि रक्षामंत्री सिमली-ग्वालदम राजमार्ग पर कुलसारी के नजदीक बने 50 मीटर स्पान पुल, थराली-ग्वालदम सड़क दोराहे के आसपास बने 40 मीटर बुसेरी पुल और लोल्टी में बने 35 मीटर स्पान पुल का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ करेंगे। गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत भी वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहेंगे। जबकि थराली विधायक भूपालराम टम्टा और पूर्व विधायक मुन्नी देवी शाह कार्यक्रम में शामिल होंगे।

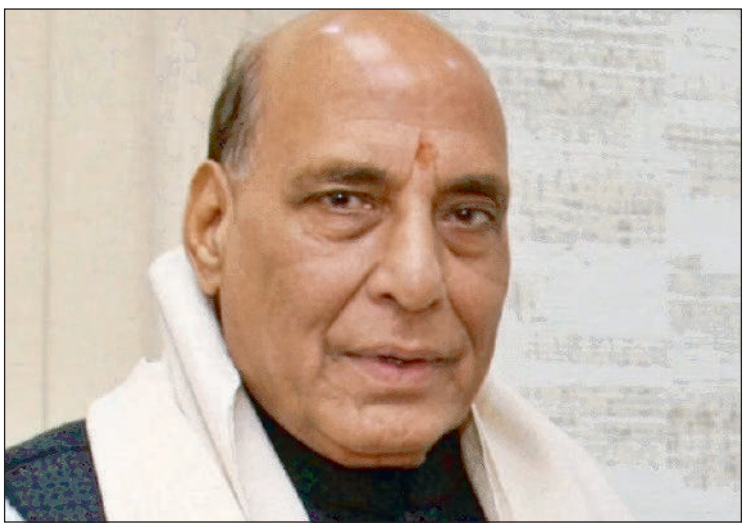

यूक्रेन युद्ध के बाद जयशंकर करेंगे रूस की पहली यात्रा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मास्को, 27 अक्टूबर एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध को आठ महीने हो चुके हैं, फिर भी मिसाइल हमले रुकने को नाम नहीं ले रहे हैं। भारत का लगातार कहना है कि दोनों देशों को बातचीत और कूटनीति से इस मसले को हल करना चाहिए। यूक्रेन युद्ध के तेज होने के बाद से रूस की पहली यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ बातचीत करेंगे। रूसी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने यह जानकारी दी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर आठ नवंबर को मास्को में लावरोव से वार्ता करेंगे, जहां वे द्विपक्षीय संबंधों की वर्तमान स्थिति और अंतरराष्ट्रीय एजेंडे पर चर्चा करेंगे। जयशंकर की मास्को यात्रा ऐसे महत्वपूर्ण समय में हो रही है, जब रूस और यूक्रेन के बीच हाल के दिनों में युद्ध तेज हो गया है। यह यात्रा ऐसे समय में भी हो रही है, जब कीव में भारतीय दूतावास ने एक ताजा एडवाइजरी जारी कर सभी भारतीय नागरिकों को यूक्रेन युद्ध में बढ़ती शत्रुता को देखते हुए तुरंत देश छोड़ने के लिए कहा है।

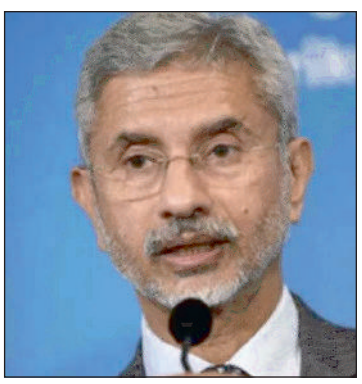

यूएनजीए में भारत ने कूटनीति के माध्यम से युद्ध को समाप्त करने की जरूरत पर जोर दिया और कीव-मास्को संघर्ष पर अपने रुख को खुले तौर पर संबोधित किया। 77वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में जयशंकर ने कहा था कि हमसे अक्सर पूछा जाता है कि हम किसके पक्ष में हैं। हमारा जवाब हर बार सीधा और ईमानदार होता है। भारत शांति के पक्ष में है और मजबूती से रहेगा। हम उस पक्ष में हैं, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर और उसके संस्थापक सिद्धांतों का सम्मान करता है। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत के रुख को दोहराते हुए यह बात कही। कूटनीति की जरूरत पर जोर देते हुए जयशंकर ने कहा कि वे उस पक्ष में हैं, जो बातचीत का आह्वान करता है।

जयशंकर ने कहा था कि लगभग हर नेता ने युद्ध के प्रभाव को दोहराया। हम उन लोगों के पक्ष में हैं, जो भोजन, ईंधन और उर्वरकों की बढ़ती लागत को देखते हुए अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि इसलिए यह हमारे सामूहिक हित में है कि संयुक्त राष्ट्र के भीतर और बाहर इस युद्ध का शीघ्र समाधान खोजने के लिए रचनात्मक रूप से काम करें। यूक्रेन पर यूएनएससी की बैठक के दौरान जयशंकर ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर जोर देने को याद किया कि यह युग युद्ध का नहीं हो सकता।

नहाय खाय के साथ कल से शुरू होगा आस्था का महापर्व छठ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 27 अक्टूबर। पूर्वांचल का सबसे प्रमुख छठ पर्व शुक्रवार से नहाय-खाय के साथ शुरू हो जाएगा। उत्तराखंड में भी बड़ी संख्या में पूर्वांचल के लोग छठ का पर्व मनाएंगे। हरिद्वार में नहाय खाय की रस्म से पहले महिलाएं कलश यात्रा निकालेंगी। खरना के साथ 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू होगा। 31 अक्तूबर की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत खोलने के साथ ही छठ का समापन हो जाएगा।

उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार के हजारों लोग हरिद्वार में रहते हैं। बीएचईएल के अलावा सिडकुल, बहादराबाद औद्योगिक इकाइयों के साथ ही अन्य क्षेत्रों में नौकरी पेशे से जुड़े हुए हैं। हर साल हरिद्वार में भी बड़ी संख्या में छठ पर्व पर आस्था का सैलाब देखने को मिलता है। गंगा घाटों पर हजारों की संख्या में व्रती महिलाएं छठ मैया की उपासना करती हैं।

पूर्वांचल जन जागृति संस्थान संस्थापक अध्यक्ष कमलेश्वर मिश्र ने बताया कि छठ पर्व सूर्यदेव की उपासना और छठी मैया का पूजा करने महापर्व है। इस पर्व पर उगते और डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। छठ पूजा पर छठी मैया की पूजा और लोकगीत गाया जाता है। चार दिनों तक चलने छठ महापर्व को लेकर शहर में तैयारियां की गई हैं। पूजा-अर्चना से लेकर छठ को लेकर दुकानें सज गई हैं। शुक्रवार को नहाय खाय के साथ छठ शुरू हो जाएगा।

वहीं, देहरादून में 18 घाटों पर छठ पूजन होगा। पूर्वा सांस्कृतिक मंच समेत तमाम सामाजिक संगठनों की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। घाटों की साफ सफाई व देखरेख का जिम्मा इंदल यादव एवं अखिलेश यादव को सौंपा गया, जबकि घाटों की बिजली व्यवस्था की जिम्मेदारी रामविलास यादव, सूचनाओं का समन्वय अजित कुमार झा, गाड़ियों की पार्किंग की व्यवस्था जगदानंद झा एवं शारदा प्रसाद को और घाटों पर छठ व्रतियों को सहयोग व समन्वय के लिए मंच की सचिव डॉ. नूतन स्मृति को जिम्मेदारी दी गई।

होटल की पार्किंग से खाई में कूदा हरियाणा का कार चालक, अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मसूरी, 27 अक्टूबर । मसूरी क्षेत्र के गांव क्यारकुली के निकट स्थित झील के पास बृहस्पतिवार को हरियाणा के कार चालक ने होटल की पार्किंग से कूदकर जान दे दी। कोतवाल डीएस कोहली ने बताया कि झील के पास क्यारकुली गांव के मार्ग पर स्थित होटल के पास एक व्यक्ति होटल की पार्किंग से नीचे खाई में कूद गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे खाई से निकाला। गंभीर रूप से घायल हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाल के मुताबिक, हरियाणा के करनाल की शिव कॉलोनी निवासी ज्योति प्रकाश शर्मा का बेटा सुनील कुमार शर्मा (44) चालक था।

संपादकीय

वर्चस्व का दुरुपयोग

डिजिटल तकनीक द्वारा विभिन्न सेवाएं देने के कारोबार में जिन कंपनियों का बोलबाला है, वे विभिन्न हथकंडे अपनाकर प्रतिस्पर्धा को कुंद करने का प्रयास करती रहती हैं. इससे अन्य कंपनियों को नुकसान तो होता ही है, कारोबारी गतिविधियों में अवरोध भी पैदा होता है. भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने ऐसे रवैये के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए गूगल, मेक माई ट्रिप और ओयो जैसी बड़ी कंपनियों पर भारी जुर्माना लगाया है. एक सप्ताह के भीतर गूगल पर दो चरणों में 2,274 करोड़ रुपये का अर्थदंड लगाया गया है, वहीं मेक माई ट्रिप और ओयो को क्रमशः 223 और 169 करोड़ रुपये बतौर जुर्माना भरने को कहा गया है. प्रतिस्पर्धा आयोग का मुख्य काम यह सुनिश्चित करना है कि सभी कारोबारियों और कंपनियों को आपस में प्रतिस्पर्धा करने के लिए समान अवसर मिले. गूगल दुनिया की सबसे बड़ी तकनीकी कंपनी है. इसके उत्पादों के बिना इंटरनेट सेवाओं की कल्पना करना आज असंभव सा है. भारत समेत दुनियाभर में अधिकतर लोग एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम का इस्तेमाल करते हैं, जिसका स्वामित्व गूगल के पास है. इस सिस्टम के लिए विभिन्न प्रकार के एप प्ले स्टोर से ही लिये जा सकते हैं, जिसका नियंत्रण भी गूगल के पास है. गूगल प्ले स्टोर पर मुहैया कराने के लिए एप बनाने वालों को मजबूर करता है कि उन्हें गूगल प्ले के बिलिंग सिस्टम का ही इस्तेमाल करना होगा. उस एप की और उसके जरिये होने वाली हर खरीद-बिक्री गूगल प्ले के बिलिंग सिस्टम से ही की जा सकती है. एप बनाने वाले ग्राहकों को एप से बाहर किसी डिजिटल वस्तु खरीदने के लिए उत्साहित नहीं कर सकते और न ही उस एप में कोई ऐसी लिंक डाल सकते हैं, जिसके सहारे अन्य वेबसाइट पर खरीद-बिक्री हो सके. कोई एप डेवलपर अगर शर्तों को नहीं मानेगा, तो वह डिजिटल बाजार के बड़े हिस्से से बाहर चला जायेगा और उसका कारोबार घाटे का सौदा बन जायेगा. प्रतिस्पर्धा आयोग ने इस व्यवस्था को वर्चस्व का दुरुपयोग और कारोबार विरोधी रवैया माना है. गूगल की ओर से जो तर्क दिये जा रहे हैं, उन्हें निराधार पाया गया है. इसी तरह मेक माई ट्रिप और ओयो ने आपसी गठजोड़ बनाकर होटल सेवा मुहैया कराने वाली अन्य कंपनियों को अपनी दरें घटाने तथा किसी अन्य वेबसाइट पर अपेक्षाकृत सस्ती दरें नहीं दिखाने के लिए मजबूर किया है. मेक माई ट्रिप यात्रा सेवाओं से संबंधित शीर्षस्थ कंपनियों में है. उसने अन्य होटल कंपनियों के सामने ऐसी शर्तें रखी, जिनसे ओयो होटल को लाभ हुआ. अनेक देशों में बड़ी टेक कंपनियों पर ऐसी कार्रवाई हुई है. उम्मीद है कि प्रतिस्पर्द्धा आयोग की कड़ाई से डिजिटल बाजार को ठोस संदेश मिलेगा.

मेडिकल दाखिलों में उत्तराखंड की महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण बहाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 27 अक्टूबर। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों के एमबीबीएस, एमडी, एमएस, नर्सिंग, पैरामेडिकल कोर्स में दाखिलों में उत्तराखंड की महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा। हाईकोर्ट के आदेश के बाद नीट पीजी और नीट यूजी काउंसिलिंग से यह लाभ हटाया गया था लेकिन अब शासन ने विधिक राय लेने के बाद इसे बहाल कर दिया है।

हर साल मेडिकल कॉलेजों के दाखिलों में उत्तराखंड महिलाओं को अलग से क्षैतिज आरक्षण का लाभ मिलता था। इस साल हाईकोर्ट ने उत्तराखंड महिला क्षैतिज आरक्षण का शासनादेश रद्द कर दिया था। इस वजह से सभी भर्तियों और नीट पीजी व नीट यूजी काउंसिलिंग से भी हटा दिया गया था।

संयुक्त सचिव अरविंद सिंह पांगती की ओर से निदेशक चिकित्सा शिक्षा को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि शासन स्तर पर न्याय विभाग से हाईकोर्ट का रोजगार के संबंध में आदेश आया था। लेकिन नीट पीजी, नीट यूजी की काउंसिलिंग रोजगार के बजाय एडमिशन से संबंधित है।

लिहाजा, इसमें लाभ दिया जाएगा। एचएनबी मेडिकल विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो. विजय जुयाल ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार मेडिकल दाखिलों में महिला आरक्षण का लाभ पहले की ही तरह मिलता रहेगा। उधर, बुधवार की देर रात नीट पीजी की काउंसिलिंग का सीट आवंटन किया गया, जिसमें उत्तराखंड महिला आरक्षण का लाभ दिया गया। नीट यूजी काउंसिलिंग में भी यह लाभ मिलेगा।

पत्थर युद्ध देख थम गईं लोगों की सांसें, रणबाकुंरों ने की एक-दूसरे पर पत्थरों की बौछार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा, 27 अक्टूबर। गोवर्धन पूजा के दिन ताकुला ब्लाक के पाटिया में बग्वाल (पाषाण युद्ध) खेला गया। दो खामों में बंटे रणबांकुरों ने एक दूसरे पर जमकर पत्थरों की बौछार की। करीब आधा घंटा चली बग्वाल में 10 से 12 रणबांकुरे चोटिल हो गए। पाषाण युद्ध को देखने आए दर्शकों ने भी रणबांकुरों का उत्साहवर्धन किया।

पाटिया क्षेत्र में गोवर्धन पूजा के मौके पर बग्वाल खेलने की परंपरा बरसों पुरानी है। बुधवार को भी उमंग और उत्साह के साथ बग्वाल खेली गई। एक दल में पाटिया और भटगांव के लोग थे तो दूसरे दल में कोट्यूड़ा और कसून के रणबांकुर थे। परंपरा के मुताबिक पाटिया के पचघटिया में ढोल नगाड़ों की गर्जना के बीच गाय की पूजा के साथ पाषाण युद्ध का आगाज हुआ। रणबांकुरों ने चीड़ की टहनी खेत में गाढ़कर बग्वाल की अनुमति ली।

पाटिया के प्रधान हेमंत कुमार, क्षेत्र पंचायत सदस्य संगीता टम्टा और कोट्यूड़ा के प्रधान भुवन चंद आर्या के पत्थर मारने के बाद बग्वाल शुरू हुई। बग्वाल की घोष के बाद दोनों खामों (दलों) के योद्धा पचघटिया नदी के आरपार एकत्र हुए, इसके बाद पाषाण युद्ध हुआ। करीब आधा घंटे तक आसमान में पत्थरों की बौछार हुई। दोनों तरफ से रणबाकुंरों ने एक दूसरे पर पत्थरों की बौछार की।

करीब आधा घंटा तक चली बग्वाल में 10 से 12 रणबांकुरे चोटिल हुए। घायलों का मौके पर ही इलाज किया गया। रणबांकुरों के नदी तक पहुंचने और पानी पीने के बाद पत्थर युद्ध की समाप्ति की घोषणा की गई। पाटिया के प्रधान हेमंत कुमार ने बताया कि पाटिया के रणबांकुर सबसे पहले पानी पीकर विजयी रहे।

युद्ध समाप्ति की घोषणा के बाद चारों खामों के रणबांकुरों ने एक दूसरे के गले मिलकर बधाई दी और अगले साल बग्वाल में फिर से मिलने का वादा कर अपने-अपने घरों को विदा हुए।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि बग्वाल में चोटिल होना शुभ माना जाता है। बग्वाल खेलने वाले रणबांकुरों को नियमों का पालन करना पड़ता है। सच्चे मन से बग्वाल खेलने पर रणबाकुंरों की मनोकामना भी पूरी होती है।

दिवाली पर्व बनाने काफी संख्या में प्रवासी पहाड़ आए हैं। पत्थर युद्ध देखने के लिए काफी संख्या में प्रवासी भी पहुंचे थे। उत्साह में आकर कई प्रवासियों ने भी बग्वाल खेली। कई प्रवासी बच्चों ने पहली बार पाषाण युद्ध देखा तो वह रोमांचित रहे।

कई गांवों से पहुंचे लोग

बग्वाल देखने के लिए भेटुली, जाखसौड़ा, मैचोर, पिल्खा, बसौली, ताकुला, खड़ाऊ, चुराड़ी, पाटिया, भटगांव, कोट्यूड़ा, कसून समेत कई गांवों से बच्चे से लेकर बुजुर्ग पहुंचे थे। बग्वाल को लेकर लोगों में भारी उत्साह दिखाई दिया।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

अंतरराष्ट्रीय मामलों में बढ़ेगी भारत की भूमिका, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद खतरनाक दशक में दुनिया : व्लादिमीर पुतिन

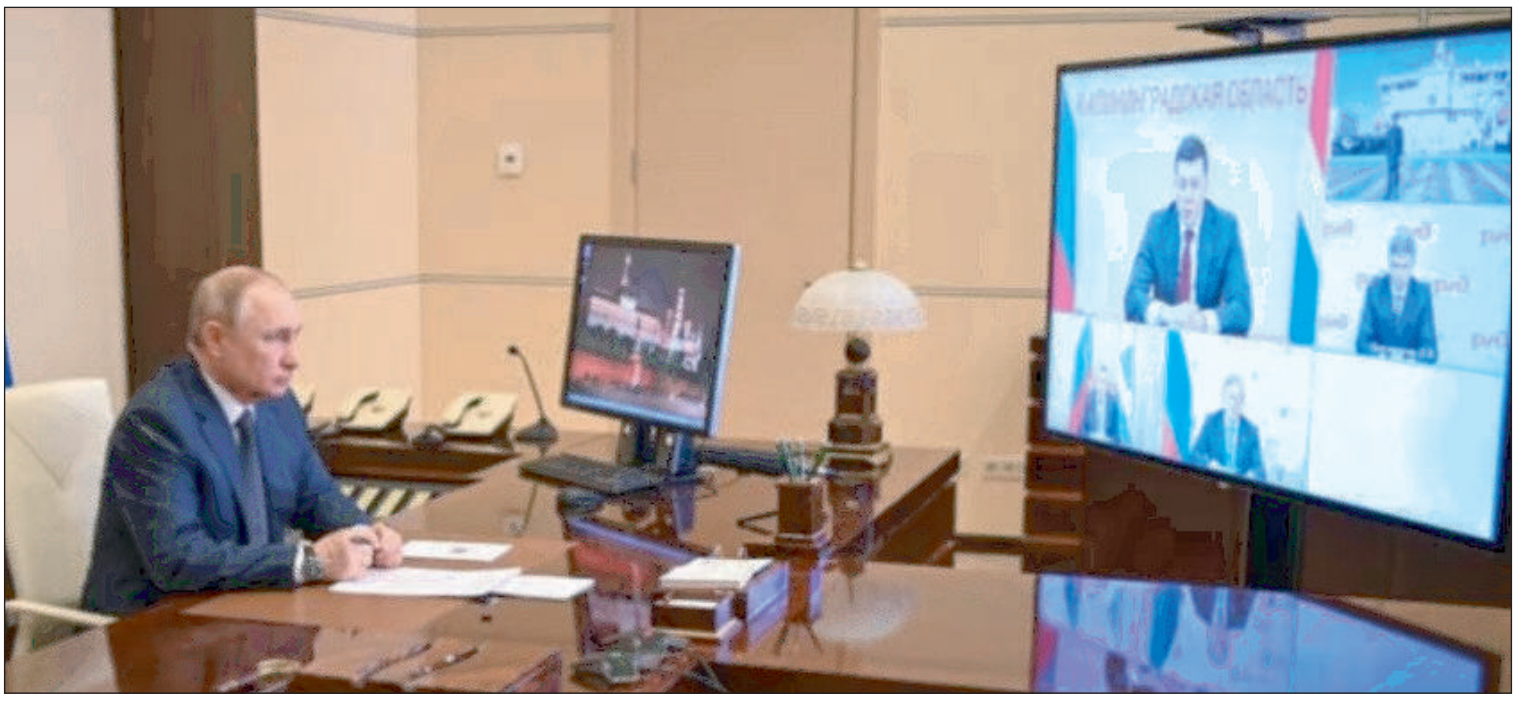

मॉस्को, 27 अक्टूबर (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है, पिछले कई महीनों से जमीन पर स्थिति विस्फोटक बनी हुई है। हालात ऐसे हैं कि कोई भी देश झुकने को तैयार नहीं है। इस सब के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ऐसी धमकियां सामने आईं जिन्होंने परमाणु हमले की आशंका को बढ़ा दिया। लेकिन अब पुतिन ने उन अटकलों पर खुद ही विराम लगाने का काम किया है। उनकी तरफ से एक बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने जोर देकर कहा है कि यूक्रेन पर परमाणु हमला नहीं किया जाएगा, ऐसी कोई तैयारी नहीं है। वहीं उनकी तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देशभक्त कहा गया है। ऐसे में एक तरफ उन्होंने यूक्रेन पर अपना रुख स्पष्ट किया, वहीं दूसरी तरफ भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की जमकर तारीफ की।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि हम अमेरिका के साथ रणनीतिक स्थिरता पर बातचीत को फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं। लेकिन हमें उस पर अमेरिका की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। यूक्रेन में जारी युद्ध के बीच रूसी पुतिन ने पश्चिमी देशों को 'खतरनाक, खूनी और गंदे' भू-राजनीतिक खेल करने के लिए लताड़ा। पुतिन ने कहा कि आखिर में अमेरिका और उसके सहयोगियों को रूस से बात करनी ही पड़ेगी।

पुतिन ने की पीएम मोदी की तारीफ

पुतिन ने एक तरफ बाइडेन पर सवाल दागे तो दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि मोदी एक बड़े देशभक्त हैं। भारत की एक स्वतंत्र विदेश नीति रही है और रूस के हमेशा से ही खास संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी मुश्किलों से निपटने में सक्षम हैं। भारत में शानदार आर्थिक विकास की तारीफ करते हुए कहा कि पीएम मोदी की विदेशी नीति स्वतंत्र है।

अमेरिका ने युद्ध को भड़काने का काम किया?

पुतिन ने यूक्रेन पर नरम रुख की बात की है, उनकी तरफ से पश्चिमी देशों पर ही यूक्रेन को भड़काने का आरोप लगाया गया है। कहा गया है कि पश्चिमी देशों ने अपना वर्चस्व बढ़ाने के लिए यूक्रेन को उकसाया। युद्ध के शुरुआती दिनों में भी पुतिन का अमेरिका को लेकर यही रुख देखने को मिला था। ऐसे में ये एक ऐसा स्टैंड है जो इतने महीनों बाद में नहीं बदला है। अब तो एक कदम आगे बढ़कर पुतिन यहां तक कह रहे हैं कि वे अमेरिका से बात करने को तैयार हैं, सामरिक स्थिरता पर वार्ता करने की इच्छा रखते हैं। लेकिन आरोप ये है कि अमेरिका अपनी तरफ से कोई जवाब नहीं दे रहा है, वो इस प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुतिन ने वल्दाई डिस्क्शन क्लब को बताया कि दुनियाभर में सत्ता में वही है, जिन्हें पश्चिम ने अपने खेल की पंक्ति में डाल दिया है। लेकिन मैं इसे खतरनाक, खूनी और गंदा खेल कहूंगा। हवा में जहर बोने वाला, इसके तूफान का सामना करेगा। पुतिन ने कहा, मैंने हमेशा कॉमन सेन्स में भरोसा किया है, इसलिए मैं आश्वस्त हूं कि देर-सबेर बहु-ध्रुवीय विश्व व्यवस्था के नए केंद्रों और पश्चिम को हमारे द्वारा साझा किए जाने भविष्य की योजना पर समान रूप से बातचीत शुरू करनी होगी। जितना जल्दी हो बेहतर होगा।

पुतिन ने कहा, उपनिवेशवाद से अंधे पश्चिम ने यूक्रेन में संघर्ष को भड़काने में मदद की। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिमी देशों ने वैश्विक प्रभुत्व कायम करने के लिए ताइवान में भी संकट पैदा करने की कोशिश की। रूस ने इसी साल 24 फरवरी को यूक्रेन में सैनिकों को भेजा था। इससे पहले भी 1962 में सोवियत संघ और अमेरिका परमाणु युद्ध के तब करीब आ गए थे, जब क्यूबा मिसाइल संकट सामने आया था।

पुतिन ने रूसी नेता अलेक्जेंडर सोल्झेनित्सिन के 1978 के हार्वर्ड व्याख्यान का हवाला देते हुए कहा कि पश्चिम खुले तौर पर नस्लवादी है और दुनिया के अन्य लोगों को नीचा दिखाता है। उन्होंने आगे कहा, पश्चिमी देशों पर भरोसा करना एक बहुत ही खतरनाक स्थिति है। रूस कभी भी पश्चिम की इस बात को स्वीकार नहीं करेगा कि उसे क्या काम करना है। पश्चिम की तरह हम दूसरों के बाड़े में नहीं जाते।

मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सुनक को फोन कर दी बधाई, व्यापार समझौते को जल्द तय करने पर हुई बात

लंदन/ नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से फोन पर बात की। उन्होंने सुनक को पीएम बनने की बधाई दी। इस दौरान मोदी ने भारत-ब्रिटेन के द्विपक्षीय रिश्तों और व्यापार समझौते को लेकर चर्चा की। पीएमओ की ओर से जारी बयान के मुताबिक, दोनों नेताओं ने एफटीए को जल्द से जल्द नतीजे तक पहुंचाने पर प्रतिबद्धता जताई है

पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा, आज ऋषि सुनक से बात करके खुशी हुई। ब्रिटेन के पीएम के रूप में कार्यभार संभालने पर उन्हें बधाई दी। हम अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करेंगे। हम एक व्यापक और संतुलित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के शीघ्र निष्कर्ष के महत्व पर भी सहमत हुए।

वहीं सुनक ने भी अपने ट्वीट में कहा, मैंने प्रधानमंत्री मोदी को मेरी नई भूमिका पर कहे गए शब्दों के लिए धन्यवाद दिया। ब्रिटेन और भारत में बहुत कुछ है। मैं इस बात को लेकर उत्साहित हूं कि हमारे दो महान लोकतंत्र आने वाले महीनों और वर्षों में अपनी सुरक्षा, रक्षा और आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे।

सरकार की वेबसाइट के मुताबिक, 10 डाउनिंग स्ट्रीट 1735 से ब्रिटिश प्रधानमंत्रियों का निवास स्थान रहा है। यहां प्रधानमंत्री का आधिकारिक निवास और कार्यालय हैं। यहां वह जगह भी है, जहां विश्व नेताओं से राजघराने तक के मेहमानों का स्वागत किया जाता है।

इससे पहले सुनक, उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति और दो बेटियां उस समय इस फ्लैट में रहे थे, जब वह पूर्व बोरिस जॉनसन सरकार में चांसलर थे। हाल के वर्षों के कई प्रधानमंत्री (खासतौर पर बच्चों वाले) नंबर 11 से ऊपर के बड़े फ्लैट में रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि सुनक ने नंबर 10 को ही क्यों चुना, डाउनिंग स्ट्रीट की एक प्रवक्ता ने बुधवार कहा- वे वहां बहुत खुश थे। डाउनिंग स्ट्रीट के अंदर के रिहायशी इलाकों को आम तौर पर लोगों की नजरों से दूर रखा जाता है।

अगस्त में सुनक ने अखबार को दिए इंटरव्यू में बताया था कि अगर वह निर्वाचित होते हैं तो उनका परिवार शायद उस फ्लैट में वापस चला जाएगा, जहां वह पहले रहते थे।

उन्होंने कहा, हमने इसे पहले ही सजाया हुआ है और यह बहुत प्यारा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जॉनसन समेत कई पूर्ववर्तियों ने नंबर 11 को इसलिए चुना, क्योंकि वहां चार बेडरूम का फ्लैट नंबर 10 से बड़ा है। टोनी ब्लेयर और उनकी पत्नी चेरी व उनके परिवार ने सबसे पहले तत्कालीन अविवादित महिला गॉर्डन ब्राउन के साथ घर की अदला-बदली की थी।

टी20 वर्ल्ड कप

भारत ने नीदरलैंड को 56 रन से हराया

सिडनी, 27 अक्टूबर (एजेंसी)। भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप में आज अपना दूसरा मैच खेल रही थी। सिडनी में गुरुवार को नीदरलैंड के खिलाफ रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में दो विकेट गंवाकर 179 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड की टीम 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 123 रन ही बना सकी।

भारत ने सुपर-12 राउंड के अपने दूसरे मुकाबले में नीदरलैंड को 56 रन से हरा दिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में दो विकेट गंवाकर 179 रन बनाए। रोहित शर्मा ने 53 रन की पारी खेली। वहीं, विराट कोहली 44 गेंदों में 62 रन और सूर्यकुमार यादव 25 गेंदों में 51 रन की नाबाद पारी खेली। जवाब में नीदरलैंड की टीम 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 123 रन ही बना सकी। नीदरलैंड की ओर से टिम प्रिंगल ने सबसे ज्यादा 20 रन बनाए। भारत की ओर से भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और रविचंद्रन अश्विन ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, मोहम्मद शमी को एक विकेट मिला।

इस जीत के साथ टीम इंडिया सुपर-12 राउंड के ग्रुप-2 में पहले स्थान पर पहुंच गई है। भारत के दो मैचों में दो जीत के साथ चार अंक हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका की टीम तीन अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। बांग्लादेश की टीम दो अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। भारत का अगला मुकाबला अब 30 अक्तूबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पर्थ में होगा।

जिम्बाब्वे ने पाकिस्तान को आखिरी गेंद पर हराया

पर्थ, 27 अक्टूबर (एजेंसी)। टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की टीम को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। भारत के खिलाफ आखिरी गेंद में हारने वाली पाकिस्तान की टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ भी आखिरी गेंद में हार गई। इस हार के साथ ही पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल की रेस से लगभग बाहर हो चुकी है। अब सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पाकिस्तान को किस्मत के सहारे की जरूरत होगी।

इस मैच में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 130 रन का स्कोर बनाया था। पाकिस्तान के लिए यह लक्ष्य हासिल करना आसान था। हालांकि, ऐसा हुआ नहीं। पाकिस्तानी टीम एक-एक कर गलतियां करती गई और अंत में यह मैच एक रन से हार गई। पाकिस्तानी बल्लेबाज आखिरी पांच ओवर में 38 रन नहीं बना पाए।

आखिरी गेंद पर पाकिस्तान को तीन रन की जरूरत थी। शाहीन अफरीदी ने हवा में शाट खेला और पाकिस्तानी बल्लेबाज रन भागने लगे। हालांकि, शाहीन अफरीदी दूसरा रन नहीं पूरा कर पाए और पाकिस्तानी टीम एक रन से यह मैच हार गई।